डा मुरली मनोहर जोशी: यह तो मैंने बता दिया ... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम: फेलोशिप की एप्लीकेशंस को प्रोसैस करने के लिए ...(व्यवधान)

†[ ]श्री محمد سلیم: فیلوشپ کی ایپلیکیشن
کو پروسیس کرنے کے لئے ...مداخلت...

डा मुरली मनोहर जोशी: मैं यह कह सकता हूं कि इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं है, क्योंकि 600 या 700 वैज्ञानिकों में से स्क्रीन करना और फिर उनके साथ इंटरव्यू दो-दो बार करना, यह एक अपने आप में बहुत सावधानी की जरूरत पड़ती है और मैं ऐसा समझता हूं कि खोज-बीन करके ठीक परंपरा बनाना जरूरी है। यह पहला चांस है इसलिए इसके बारे में विधिवत् स्टैंडर्ड्ज को नार्मलाइज़ करने की आवश्यकता है। एक बार यह स्तर तय हो जाता है कि इसमें यह स्तर रहेगा फिर आगे के लिए यह कार्यक्रम करना सुनिश्चित हो जाता है। स्कीम एनाउंस होती है, बजट पास होता है, पैसा रिलीज़ होता है, उसके बाद विज्ञापन होते हैं। देश भर से तमाम लोगों से प्रोजैक्ट्स आते हैं। जब उनसे कहा जाता है कि आप प्रोजैक्ट बनाइये तो उसके लिए समय देना पड़ता है। दो महीने, तीन महीने उनको समय लगता है। कोई प्रयोगिक प्रोजैक्ट्स बनाता है, कोई थ्योरेटिकल प्रोजैक्ट्स बनाता है। विभिन्न विषय हैं, उनको कंपेयर करना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि केवल एक ही सब्जैक्ट है। विज्ञान के विभिन्न विषय हैं इसलिए अलग-अलग दृष्टि से उनको स्क्रीन करना पड़ता है, स्क्रेनिंग करना पड़ता है। इसलिए मैं यह नहीं मानता कि इसमें अनावश्यक विलम्ब हुआ है। लेकिन अगर सम्माननीय सदस्य के पास कोई ऐसी सूचना है कि इसमें बहुत जान-बूझ कर विलम्ब हुआ है तो वह अवश्य मेरे नोटिस में लाएं।

श्री अतीन सेनगुप्त ...(पश्चिमी बंगाल): महोदय, जान-बूझ कर विलंब की बात नहीं है।

†[ ]Transilteration in Arabic Script

Various Governments appointed screening committees. They invited applications and that was in December, 1997. Six months have elapsed. There has also been a reduction of Rs. 18 crores in the Budget of the Ministry of Science and Technology. The allocations to the Department of Biotechnology and the Council for Scientific and Industrial Research have stagnated. Can the development of science, as the hon. Minister has pointed out,...

MR. CHAIRMAN: This does not arise out of the Minister's clarification...(*Interruptions*) The first part of your point is all right but not the other one.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Memorandums of Understanding (1998-99) between Govt. of India and Central Warehousing Corporation. and Karnataka Antibiotics and Pharmaceuticals Ltd.

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILISERS AND MINISTER OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS (SHRI SURJIT SINGH BARNALA: Sir I lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(i) Memorandum of Understanding between the Government of India (Ministry of Food and Consumer Affairs, Department of Food and Civil Supplies) and Central Warehousing Corporation, for the year 1998-99.

[Placed in Library, *See* No. LT-1047/98]

(ii) Memorandum of Understanding between the Government of India (Ministry of Chemicals and Fertilizers, Department of Chemicals and Petrochemicals) and Karnataka Antibiotics and Pharmaceuticals Limited, for the year 1998-99.

[Placed in Library *See* No. LT-1050/98]